No. of Printed Pages : 6

डी.सी.एच.-3

सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2010

00161

डी.सी.एच.-3 : गद्य साहित्य-लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **खण्ड-क** से **दो** और **खण्ड-ख** से **तीन** प्रश्नों का उत्तर देना **अनिवार्य** हैं।*

खण्ड 'क'

1. कहानी लिखते समय अपने अनुभव को आप किस तरह कथानक में ढाल सकते हैं। आपके साथ घटी अथवा आपके द्वारा देखी गई किसी घटना का उदाहरण देते हुए बताइए कि आप यथार्थ को अपनी कल्पना से कैसे विकसित करेंगे? 20

2. रंगमंच किसे कहते हैं? नाटक और रंगमंच के बीच संबंध, नाट्य लेखन को किस प्रकार प्रभावित करता है? 20

3. ललित निबंध की विशेषताएँ बताइए। 20

4. संस्मरण और रेखाचित्र में क्या अंतर होता है? रेखाचित्र के लेखक से क्या अपेक्षाएँ की जाती हैं? 20

5. ***किन्हीं दो*** पर लगभग 200 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **10x2=20**

(क) वैज्ञानिक कथाएँ

(ख) बाल नाटक

(ग) नुक्कड़ नाटक

(घ) निबंध की भाषा - शैली

खण्ड 'क'

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय का कहानी अथवा नाटक के रूप में विकास कीजिए : 20

(क) तूफान से ध्वस्त नगर के मलबे में फँसा जीवित बच्चा

(ख) दंगा पीड़ित परिवार

7. आप किसी व्यक्ति से मिले हैं जिन्होंने आपको प्रभावित किया है। उनका संस्मरण लिखिए। 20

8. आज जलवायु परिवर्तन के कारण हमारी जीवन स्थितियों में कई तरह के बदलाव आ रहे हैं। इस विषय को लेकर एक निबंध लिखिए। 20

9. त्योहारों को मनाने का हमारा उत्साह खरीददारी में सर्वाधिक प्रकट होने लगा है। इससे हमारा जीवन, हमारा पर्यावरण और हमारी मानसिकता कई तरह से प्रभावित हुई है। इस तथ्य को विषय बनाते हुए कोई रचना–कहानी, निबंध, नाटक, संस्मरण लिखिए। 20

10. नीचे एक नाटक का कुछ अंश प्रस्तुत किया गया है। दो व्यक्तियों के इस संवाद के आधार पर इनके चरित्र की विशेषताएँ बताइए : 20

गयादत्त : सुना है, आप बहुत परेशान हैं। उस दिन मंत्रीजी ने आपसे कुछ ऐसा–वैसा तो नहीं कह दिया! मेरा मतलब, ये लोग यूँ ही बहुत कुछ बक जाते हैं, क्या करें इनकी आदत जो हो गयी है।

(राजन अखबार पढ़ने लगे हैं।)

गयादत्त : आप तो इत्ते समझदार आदमी हैं, दरअसल पालिटीशियन की बातों को इस तरह सीरियसली नहीं लेना चाहिए..... मेरा मतलब, उनसे उलझना नहीं चाहिए।

(राजन पढ़ रहे हैं)

गयादत्त : मेरा ख्याल है, केजरीवाल के बारे में मंत्रीजी ने जरूर आपसे कुछ बातें की होंगी।

(राजन देखते हैं)

गयादत्त : जरूर की होंगी। यह कैसे हो सकता है!

राजन : 'हाउ डज इट कन्सर्न यू'? (आपको इससे क्या मतलब?)

गयादत्त : मंत्रीजी ने मेरे सामने चीफ सेक्रेटरी को टेलीफोन किया है।

राजन : किया होगा।

गयादत्त : देखिए, मैं आपकी बड़ी इज़्ज़त करता हूँ। मैं आपका एहसानमन्द हूँ। आपको नेक सलाह देता हूँ, आप यहाँ का सारा चक्कर यहीं छोड़कर ठाठ से अपने नये पद पर जाइये।

राजन : धन्यवाद।

गयादत्त : श्री केजरीवाल बेहद नेक आदमी है। राष्ट्रीय संग्राम में उनकी .....

राजन : (अखबार बन्द करते हुए) तभी पिछले तेरह वर्षों से उन्होंने टैक्स नहीं दिये। अब तक उन पर आठ लाख सोलह हजार रूपये टैक्स के बाकी हैं। ब्रिटिश राज ने उन्हें बिना किसी लाइसेन्स के फायर आर्म्स रखने का अधिकार दिया... यही है उनका राष्ट्रीय संग्राम....! (उठ खड़े होते हैं और जैसे इस कमरे से निकल जाना चाहते हैं)।

गयादत्त : फायर आर्म्स में क्या रखा है। वह तो महज इज़्ज़त की बात है।

राजन : टैक्स न देना भी अब इज़्ज़त की बात है!

गयादत्त : धीरे बोलिये.... भीतर पिताजी होंगे। बाहर केजरीवाल का जनरल मैनेजर खड़ा है।

राजन : मुझे पता है, मेरे भीतर-बाहर कौन-कौन खड़े हैं।

गयादत्त : बात यह है कि मैं नहीं चाहता, आपसे ऊपर तक जाऊँ।

राजन : ऊपर जाने के लिए ही तो आपका जन्म हुआ है। कान खोलकर सुन लीजिए.... अब तक आपके दोस्त केजरीवाल की कॉटन मिल का गोदाम सील कर दिया गया होगा।

गयादत्त : यह आपने क्या किया?

राजन : अब आप जा सकते हैं।

गयादत्त : पर क्या यह सच है? (विराम) अगर यह सच है, तो मैं आपकी बेहतरी के लिए सलाह देता हूँ... यह आर्डर वापस लीजिये।

राजन : गैर मुमकिन...

गयादत्त : आप सब सोच-समझ लीजिए।

राजन : कायदे से बात कीजिए।

गयादत्त : ठीक है।

राजन : यह आपकी सरकार है। यह 'फुल कैबिनेट डिसीजन' है कि तमाम बकाया टैक्स वसूल किया जाय। मैं एक तरह से आपकी ही आज्ञा का पालन कर रहा हूँ।

गयादत्त : जनाब, आप आज्ञा और इच्छा के फर्क को नहीं समझते।

(विराम)

गयादत्त : आप चाहते क्या हैं?

राजन : आपसे मतलब!

गयादत्त : दरअसल मैं आपका ही आदमी हूँ, आप चाहे मुझसे मतलब रखें या न रखें।

राजन : बंद कीजिये बकवास ... मैं अकेला ही काफी हूँ।

गयादत्त : आपको पता नहीं, आपने सब कुछ हमारे हाथों में सौंप दिया है।

राजन : आपने भी सब कुछ हमारे हाथों में सौंप दिया है। हम कहीं भी एक फाइल दबाकर आपकी सारी योजना ठप्प कर सकते हैं।

गयादत्त : हमें पता है ... फिर भी मुझसे मदद लेनी चाहिए ...